FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION
PRAYAGRAJ

AWARENESS PROGRAMME TO AVOID USE OF SINGLE USE PLASTICS

Single use plastic waste is a serious environmental concern as it is non-biodegradable and contributes in polluting the environment. Under Bharat Amrut Mohatsav, the week of 4th – 10th October was allocated to hold events for creating awareness to phase out single use plastics by 31st July, 2022. "Awareness Programme to Avoid Use of Single Use Plastics" was organised on 7th October, 2021. The chief guests of the programme were Er. Archana Tripathi and Er. Sanjeev Tripathi, Brand Ambassador Swachhata, Nagar Nigam, Prayagraj. The programme commenced by an introduction speech by the Sr. Technical Officer Dr. S.D. Shukla, thereby a welcome address of chief guests by Head of FRCER, Dr. Sanjay Singh. Chief guests talked about different environmental degradation caused by single use plastics and alternatives through which its use may be prevented in daily life. To encourage the audience, they also shared their story of living a zero-waste lifestyle and how they made it possible for themselves.

Er. Sanjeev Tripathi showed the audience a plastic waste bottle in which he had collected a year's waste plastic from his home and informed that it becomes compact like a brick and can be used in road construction. The chief guests were presented a memento by Dr. Sanjay Singh and Dr. Anita Tomar, thereafter vote of thanks was given by Mr. Sajan Kumar. After conclusion of the programme an outdoor activity of waste plastic picking was organised. The programme was hosted by Mr. Aman Kumar Mishra; Senior Scientist Dr. Anita Tomar, Scientist Dr. Anubha Srivastava, Technical Officer Mr. Ratan Gupta, and other researchers and Ph.D. scholars were present in the event.

Awareness Programme to
Avoid the use of
'Single Use Plastics'
4th - 10th October - 2021
Organized by
FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION

FRCER
PRAYAGRAJ

FRCER

Awareness Programme to
Avoid the use of
'Single Use Plastics'
4th - 10th October - 2021
Organized by
Oct 07, 2021, 15:21

दैनिक उपयोग में लाई जानें वाली प्लास्टिक को धीरे -धीरे करें समाप्त : डॉ संजय सिंह

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। आज दिनांक 07-10-2021 को पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचने हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि इं0 संजीव त्रिपाठी तथा पत्नी अर्चना त्रिपाठी, ब्राण्ड अंबेसडर, स्वच्छता, नगर निगम, प्रयागराज द्वारा दीप प्रज्वलन करके हुआ। केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा0 एस0 डी0 शुक्ला ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए पर्यावरण को प्लास्टिक से होने वाले नुकसान पर प्रकाश डाला। केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने अपने व्याख्यान में प्लास्टिक रोकने हेतु प्रेरित किया इसी क्रम में उन्होने दैनिक उपयोग मे लायी जाने वाली प्लास्टिक को धीरे - धीरे समाप्त करने का आह्वान किया जिससे हमारे पर्यावरण को बचाया जा सके। मुख्य अतिथि इं0 संजीव त्रिपाठी ने पर्यावरण को सुदृढ़ बनाने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए कई तरीकों से अवगत कराया। बचाया जा सके। उन्होंने कई उदाहरण प्रस्तुत किये जिससे पृथ्वी को होने वाले नुकसान एवं प्लास्टिक से पर्यावरण तथा पृथ्वी को बचाया जा सके और इसके लिए हमें खुद को बदलना अनिवार्य है अन्यथा प्लास्टिक से बच पाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि रोजमर्रा की जिन्दगी में छोटी - छोटी चीजों को अपनाकर ही पर्यावरण को बचाया जा सकता है। इसी क्रम में अर्चना त्रिपाठी प्लास्टिक को अपने दैनिक जीवन से कैसे दूर करना है] इस पर कुछ व्याख्यान प्रस्तुत किये। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने चलचित्र के माध्यम से प्लास्टिक द्वारा होने वाले नुकसान से अवगत कराते हुए इससे दूरी बनाने का अनुरोध किया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न होनें में साजन कुमार तथा अमन मिश्रा का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में केन्द्र के कर्मचारियों के साथ परियोजना में कार्यरत शोधछात्र आदि उपस्थित रहे।

पॉलीथिन समाज और पर्यावरण के लिए अभिशाप : डॉ. संजय सिंह

पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र के जागरूकता कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलित करते अतिथि।

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचने के लिए जनजागरूकता अभियान शुरू किया गया। मुख्य अतिथि इंजी संजीव त्रिपाठी और उनकी पत्नी अर्चना त्रिपाठी ने दीप प्रज्ज्वलित कार्यक्रम को शुरू किया। पॉलीथिन पर लघु फिल्म भी दिखाई गई। वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एसडी शुक्ला ने कार्यक्रम की रूपरेखा को बताया। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि पॉलीथिन समाज और पर्यावरण दोनों के लिए अभिशाप है।

अर्चना त्रिपाठी ने कहा कि प्लास्टिक को दैनिक जीवन से तभी दूर कर सकेंगे जब हम इसके नुकसान को जानेंगे। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने प्लास्टिक से होने वाले नुकसान को बताया। साजन कुमार, अमन मिश्रा ने सहयोग दिया।

सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचने हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज(नि.सं.)। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र,प्रयागराज द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचने हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि इं0 संजीव त्रिपाठी तथा पतनी अर्चना त्रिपाठी, ब्राण्ड अंबेसडर, स्वच्छता, नगर निगम,प्रयागराज द्वारा दीप प्रज्वलन करके हुआ। केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा0 एस0 डी0 शुक्ला ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए पर्यावरण को प्लास्टिक से होने वाले नुकसान पर प्रकाश डाला। केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने अपने व्याख्यान में प्लास्टिक रोकने हेतु प्रेरित किया इसी क्रम में उन्होने दैनिक उपयोग मे लायी जाने वाली प्लास्टिक को धीरे - धीरे समाप्त करने का आह्वान किया, जिससे हमारे पर्यावरण को बचाया जा सके। मुख्य अतिथि इं0 संजीव त्रिपाठी ने पर्यावरण को सुदृढ़ बनाने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए कई तरीकों से अवगत कराया। उन्होंने कई उदाहरण प्रस्तुत किये जिससे पृथ्वी को होने वाले नुकसान एवं प्लास्टिक से पर्यावरण तथा पृथ्वी को बचाया जा सके न्यर त्के लिए हमें खुद को बदलना अनिवार्य है अन्यथा प्लास्टिक से बच पाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि रोजमर्रा की जिन्दगी में छोटी - छोटी चीजों को अपनाकर ही पर्यावरण को बचाया जा सकता है। इसी क्रम में अर्चना त्रिपाठी प्लास्टिक को अपने दैनिक जीवन से कैसे दूर करना है,इस पर कुछ व्याख्यान प्रस्तुत किये।